

प्रजा-समाजवादी दल, दिल्ली के अध्यक्ष द्वारा आयोजित प्रेस सम्मेलन

1964. श्री विश्राम प्रसाद : क्या वैदेशिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान प्रजा-समाजवादी दल, दिल्ली के अध्यक्ष द्वारा आयोजित प्रेस सम्मेलन के बारे में 13 सितम्बर, 1966 को "नवभारत टाइम्स" में प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार को पता है कि "लन्दन टाइम्स" तथा विदेशों में अन्य समाचार पत्रों के माध्यम से भारत के सम्बन्ध में लोगों के सामने यह चित्र खींचा गया है कि भारत एक अग्रगण्य देश है और वहाँ भीषण अकाल पड़ा हुआ है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि विदेशों के समाचार-पत्रों में अपराधरोपक कार्टून प्रकाशित किये गये हैं; और

(घ) यदि हां, तो इस स्थिति को सुधारने के लिये सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री मु० क० जागला) : (क) जी हां ।

(ख) लन्दन से प्रकाशित "टाइम्स" के 18 मई के अंक में एक विज्ञापन छपा था जिस में भारत में अकाल संबंधी सहायता के लिए चंदा देने को कहा गया था । दूसरे अखबारों में भी इसी तरह के विज्ञापन छपे हैं । ये विज्ञापन "आक्सफाम" और "सेब द चिल्ड्रन फंड" जैमे मंगटनों द्वारा दिए गए थे ।

(ग) भारत में खाद्यान्न स्थिति के बारे में ऐसे कार्टून सरकार ने नहीं देखे हैं जिन में आरोपण किया गया हो ।

(घ) विदेशों में हमारे मिशनों की तरह लंदन-स्थित हमारे हार्ड कमीशन ने भी अपने बुलेटिनों, समाचार पत्रों (बीकिंग्स) आदि के जरिए भारत की वास्तविक स्थिति के बारे में नियमित रूप से सूचना दी है ।

भूतपूर्व रियासतों के भूतपूर्व सैनिक

1965. श्री श्रीकार लाल बेरवा : क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने भूतपूर्व सैनिकों को वही सुविधायें देने का निर्णय किया है, जो अन्य भूतपूर्व सैनिकों को उपलब्ध हैं; और

(ख) यदि हां, तो इस निर्णय के परिणाम-स्वरूप कितने भूतपूर्व सैनिकों को लाभ होगा ?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह) :

(क) स्पष्टीकरण किया गया है कि भूतपूर्व भारतीय रियासती सेनाओं के सेविवर्ग भूतपूर्व सैनिकों की परिभाषा में शामिल हैं, और इस प्रकार उन सभी सुविधाओं के अधिकारी हैं, जो अन्य भूतपूर्व सैनिकों को देय हैं ।

(ख) ऐसे सेविवर्ग की संख्या के संबंध में आंकड़े प्राप्य नहीं हैं ।

Secretary- General of U.N.O.

1966. **Shri Sivamurthi Swamy;**
Shri R. S. Pandey;
Shri D. C. Sharma;

Will the Minister of **External Affairs** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that U. Thant, U.N. Secretary-General proposes to relinquish his post;

(b) whether it is also a fact that U.S.A. and other countries have been trying to persuade him to continue in the post;

(c) whether any efforts have been made by the Indian Government to persuade him to continue; and

(d) if so, the details thereof?

The Minister of External Affairs (Shri M. C. Chagla): (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) and (d). Sardar Swaran Singh in his speech in the General Assembly expressed our earnest hope that U. Thant would agree to accept a second term as Secretary General. Prime Minister also addressed a personal letter to U. Thant.

नेपाल में करनाली जलविद्युत् परियोजना

1967. श्री ब्रड्डे :

श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या वैदेशिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि भारत सरकार ने नेपाल को करनाली जल विद्युत् परियोजना के लिये सहायता देने का निर्णय किया है; और

(ख) यदि हां, तो कितनी सहायता देने का प्रस्ताव है और उस की शर्तें क्या होंगी ?

वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री मु० क० चागला) : (क) भारत सरकार ने नेपाल में प्रस्तावित करनाली जल विद्युत् परियोजना के बारे में अभी कोई निश्चय नहीं किया है। अभी कोई ठीक ठीक परियोजना भी सामने नहीं है। एक संयुक्त राष्ट्र दल ने अभी हाल ही में सम्भावनाओं का सर्वेक्षण किया है और उस की जो रिपोर्ट नेपाल सरकार से भारत सरकार को मिली है, उस का अध्ययन किया जा रहा है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

Naval Plane Crash near Marmagao Harbour

1968. Shri Vishwa Nath Pandey: Will the Minister of Defence be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a naval plane on a training flight crashed into the sea near Marmagao harbour on the 27th September, 1966;

(b) if so, the causes of the accident and

(c) the action taken by Government in the matter?

The Minister of Defence (Shri Swaran Singh): (a) Yes, Sir.

(b) and (c). The accident occurred as a result of a mid-air collision between two aircraft while in formation on a training flight. A Board of Enquiry has been convened to investigate the cause of the accident.

कोटा स्थित परमाणु ऊर्जा स्टेशन

1969. श्री लोकार्जु खाल बेरवा : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान में कोटा में बन रहे परमाणु ऊर्जा स्टेशन में कितने व्यक्ति काम कर रहे हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि वहां कोई भी स्थानीय व्यक्ति काम पर नहीं लगाया गया है; और

(ग) यदि हां, तो इस के क्या कारण हैं ?

प्रधान मंत्री तथा अणु शक्ति मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : (क) से (ग). राजस्थान परमाणु बिजली घर में 31 अक्टूबर, 1966 को सीधे परियोजना के अन्तर्गत नियुक्त व्यक्तियों की संख्या 1212 थी। इन में 257 स्थानीय व्यक्ति थे।

Disappearance of an Official of Chinese Embassy in New Delhi

1970. Shri P. C. Borooah:
Shri D. C. Sharma:
Shri Yashpal Singh:
Shri Vishwa Nath Pandey:
Shri Tula Ram:
Shri Hukam Chand
Kachhavaiya: